Patrika (Indore), 21st May 2026, Page – 09 (Front Page – plus 03)

आइआइटी इंदौर

छात्राओं के लिए तय 20% सुपरन्यूमनेरी कोटे की सभी सीटें भरने का लक्ष्य

बेटियों की बढ़ी भागीदारी, 100% सीटें भरने की तैयारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में छात्राओं की बढ़ती भागीदारी अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है। इसका मजबूत उदाहरण बनकर आइआइटी इंदौर उभरा है, जहां छात्राओं के लिए निर्धारित सुपर न्यूमनेरी कोटे के तहत प्रवेश लगातार बढ़ रहे हैं। संस्थान वर्ष 2026 में इस कोटे की सभी सीटों को 100 प्रतिशत भरने के लक्ष्य पर काम कर रहा है।

आइआइटी इंदौर में छात्राओं के लिए सुपर न्यूमनेरी कोटे के तहत कुल सीटों का 20% आरक्षित है।

वर्ष 2025 में इस श्रेणी की 95 प्रतिशत से अधिक सीटों पर प्रवेश हुआ था। संस्थान प्रबंधन का मानना है कि इस वर्ष सभी सीटें भरने की संभावना है। यदि ऐसा होता है, तो यह न केवल आइआइटी इंदौर बल्कि देश के अन्य आइआइटी संस्थानों में भी छात्राओं को तकनीकी शिक्षा की ओर प्रोत्साहित करने वाला कदम साबित होगा।

जेंडर संतुलन का प्रयास

विशेषज्ञों के अनुसार, नए आइआइटी संस्थानों में छात्रा प्रवेश के मामले में आइआइटी इंदौर की स्थिति मजबूत है। जेंडर संतुलन बढ़ाने को छात्राओं के लिए 20 प्रतिशत अतिरिक्त सीटें सुपर न्यूमनेरी श्रेणी में निर्धारित की गई हैं।

दिल्ली-इंदौर का प्रदर्शन बराबर: आइआइटी इंदौर में 2025 में 480 में से 99 सीटें छात्राओं को दीं, जो कुल सीटों का 20.63 प्रतिशत है। छात्राओं को प्रवेश देने के मामले में आइआइटी इंदौर और आइआइटी दिल्ली का प्रतिशत लगभग समान रहा।

जेंडर न्यूट्रल श्रेणी में अब भी कम भागीदारी

आइआइटी संस्थानों के विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्राओं की भागीदारी आज भी काफी हद तक सुपर न्यूमनेरी सीटों पर निर्भर है। जेंडर न्यूट्रल श्रेणी से प्रवेश प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या अभी भी बेहद सीमित है। 2025 में देशभर के आइआइटी संस्थानों की 18,188 सीटों पर प्रवेश हुए, इनमें 31 छात्राओं को जेंडर न्यूट्रल कोटे से प्रवेश मिला। पांच वर्षों में यह आंकड़ा 100 तक भी नहीं पहुंचा। वर्ष 2021 से 2025 के बीच जेंडर न्यूट्रल श्रेणी के माध्यम से केवल 96 छात्राओं को आइआइटी संस्थानों में प्रवेश हुआ। यह जानकारी जॉइंट इंप्लीमेंटेशन कमेटी की ओर से जारी जेईई एडवांस-2025 रिपोर्ट में सामने आई है।

छात्राओं की संख्या बढ़ाने पर विशेष जोर

छात्राओं के लिए निर्धारित सुपर न्यूमनेरी कोटे की सीटें भरने के प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले वर्ष 95 प्रतिशत से अधिक सीटें भरी थीं। इस बार सभी सीटें भरने की उम्मीद है। संस्थान हर वर्ष छात्राओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष फोकस कर रहा है। **-प्रो. सुहास जोशी,** निदेशक आइआइटी इंदौर